

पूर्व ज्ञान/ विषय वस्तु/ पाठ्येतर विषय वस्तु	अधिगम उद्देश्य	
	सामान्य	विशिष्ट
पूर्व ज्ञान: जीवन मूल्य पूर्वज्ञान संबन्धित प्रश्न- परिशिष्ट संख्या-9अ/1 विषय वस्तु- कबीर की साखियाँ उपविषय वस्तु :- अ) कवि का परिचय आ) जीवन मूल्य इ) भाषा ज्ञान ई) परिचर्चा पाठ्येतर विषय वस्तु *काव्य लेखन *सूची निर्माण *परिचर्चा (रेडियो शो)	विद्यार्थी :- अ) कवि के साहित्यिक योगदान से परिचित होंगे । आ) कबीर जी की साखियों में निहित नैतिक मूल्यों को आत्मसात् कर सकेंगे । इ) कबीर की भाषिक विशेषताओं से परिचित हो सकेंगे । ई) दूसरों के समक्ष अपनी बात को तर्कपूर्ण ढंग से रखने की कला को सीख पाएँगे ।	विद्यार्थी :- अ) कवि के साहित्यिक योगदान से परिचित हो उनकी अन्य रचनाओं की सूची बना सकेंगे अ) कबीर जी के समकालीन कवियों की सूची बना सकेंगे । आ) जीवन मूल्यों से ओत-प्रोत अन्य साखियों का संकलन कर कक्षा में सुना सकेंगे । आ) साखियों के भावों को अपने शब्दों में व्याख्यायित कर सकेंगे । इ) कबीर की सधुक्कड़ी भाषा के कारणों एवं विशेषताओं का अवलोकन कर सकेंगे । ई) दूसरों के समक्ष अपनी बात को तर्कपूर्ण ढंग से रखने की कला को सीख कर 'कबीर की साखियाँ आज के युग में भी प्रासंगिक है ।' विषय पर परिचर्चा (रेडियो-शो) कर सकेंगे । तथा अपने अनुभव भी अभिव्यक्त कर सकेंगे ।

गृहकार्य:- पाठ से संबन्धित प्रश्न ।

क्रियाविधि:- 'कबीर की साखियाँ आज के युग में भी प्रासंगिक है ।' विषय पर परिचर्चा (रेडियो-शो) कर सकेंगे ।

कक्षा – आठ

अध्यापिका की गतिविधि	विद्यार्थियों की गतिविधि	पाठ पढ़ने के बाद अध्यापिका का मंतव्य तथा निराकरण
पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्न पूछेंगी:- परिशिष्ट संख्या :-9आ/1 काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्ट संख्या :-9आ/2 अध्यापिका के निर्देशन में उचित गति लय के साथ शुद्ध उच्चारण का ध्यान रखते हुए कविता पाठ करेंगे । अध्यापिका के निर्देशन में विद्यार्थी अध्यापिका द्वारा निर्धारित अंश की व्याख्या का प्रयास करेंगे । अध्यापिका के निर्देशन में कविता के भाव को आत्मसात् कर पाठ के अंत में दिये प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास करेंगे । क्रियाकलाप हेतु क्रियाविधि :- परिशिष्ट संख्या :-9आ /3 अभ्यास हेतु कार्यपत्र :- परिशिष्ट संख्या :-9आ /4	पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देंगे :- परिशिष्ट संख्या :-9आ/1 काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि में भाग लेंगे । परिशिष्ट संख्या :-9आ/2 उचित गति लय के साथ कविता के शुद्ध उच्चारण में समर्थ होंगे । निर्धारित अंशों की व्याख्या करेंगे । पाठ के अंत में दिये प्रश्नों के उत्तर देंगे । अपनी गतिविधियों में भाग लेंगे । परिशिष्ट संख्या :-9आ/3 अभ्यास हेतु दिए गए कार्यपत्र को पूर्ण करेंगे । परिशिष्ट संख्या :-9आ/4	* पाठ पढ़ाने के बाद लिखा जाएगा ।

सहायक सामग्री :- पाठ्य-पुस्तक ,स्मार्ट बोर्ड एवं संलग्न प्रपत्र १ कार्यपत्र ,२ क्रियाकलाप का विवरण

विधि:- १. पठन-पाठनविधि,२. उदाहरण विधि,३. काठिन्य निवारण विधि, ४. व्याख्या विधि ५.व्यास विधि

अन्तःविषय संबंध :- जीवन मूल्य, सामाजिक ज्ञान, पर्यावरण जागरूकता ।

विद्यालय परिसर:-विद्यालय के पुस्तकालय में जाकर गांधी जी की शिक्षाओं की तुलना कबीर जी के ज्ञान से कर करेंगे ।

1.पूर्व ज्ञान से संबन्धित प्रश्न -परिशिष्ट संख्या -9अ/1

प्रश्न.1- जीवन-मूल्यों से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर. ऐसे मूल्य या नीतियाँ जो व्यक्ति के जीवन को मूल्यवान बना दे ।

प्रश्न.2- ऐसे मूल्य या नीतियाँ हमें कहाँ से मिलते हैं ?

उत्तर. हमारे बड़ों से, कहानियों से, साहित्य से।

प्रश्न.3- ऐसे साहित्य नाम बताइये जो जीवन-मूल्य प्रधान हैं ?

उत्तर. प्रेमचंद, तुलसीदास, रहीम, कबीर ।

कथन:- आइये 'कबीर की साखियाँ ' पाठ को पढ़ कर जानते हैं कि कबीर जी हमें क्या संदेश देना चाहते हैं ।

2.कठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्ट संख्या -9अ/2

*कक्षा को चार समूहों में विभाजित किया जाएगा।

*प्रत्येक समूह एक ए-4 शीट पर निर्धारित अंश से कठिन शब्दों को लिखेगा ।

*समूह आपस में अदला-बदली कर अर्थ लिखने का प्रयास करेंगे।

*अध्यापिका उत्तर की पुष्टि कर विद्यार्थियों को उत्तर पुस्तिका पर अर्थ लिखने का निर्देश देंगी।

(यथासंभव इस गतिविधि में परिवर्तन लाये जाएंगे यथा कभी विद्यार्थी चिट पर भी कठिन शब्दार्थ लिख सकते हैं या कभी अध्यापिका स्वयं चिट पर कठिन शब्द लिख कर अर्थ लिखने को कह सकती हैं ।)

3.क्रियाकलाप हेतु क्रिया विधि:- परिशिष्ट संख्या -9अ/3

- अध्यापिका विद्यार्थियों को परिचर्चा (रेडियो-शो) विधा से परिचित कराएंगी ।
- विद्यार्थियों को पाँच-पाँच के समूह में विभक्त करेंगी ।
- सभी समूहों को उस विषय पर चिंतन-मनन करने और उन्हें कलमबद्ध करने का समय देंगी।
- क्रियाविधि के निर्देश :-

1. परिचर्चा (रेडियो-शो) का विषय:-

कबीर की साखियाँ आज के युग में प्रासंगिक है ।

2.परिचर्चा का समय : पाँच से सात मिनट

3. परिचर्चा की विशिष्टताएँ- भाषा की शुद्धता, उदाहरणों का प्रयोग, तार्किकता, व्यवहारिकता, व्यंग्यात्मकता

4.यदि कोई शिक्षार्थी समूह के किसी तर्क से सहमत नहीं होगा तब वह पहले वाले शिक्षार्थी की परिचर्चा समाप्त होने पर उसकी बात का खण्डन करते हुए अपना तर्क प्रस्तुत करेगा ।

- अध्यापिका मौखिक परिचर्चा का मूल्यांकन करेंगी ।
- कक्षा में परिचर्चा प्रस्तुति के पश्चात् उसका लिखित साक्ष्य अध्यापिका को दिया जाएगा ।
- गतिविधि के पश्चात् विद्यार्थियों को कार्यपत्र करने के लिए दिया जाएगा ।

मूल्यांकन के मानदण्ड :-

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक-10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1

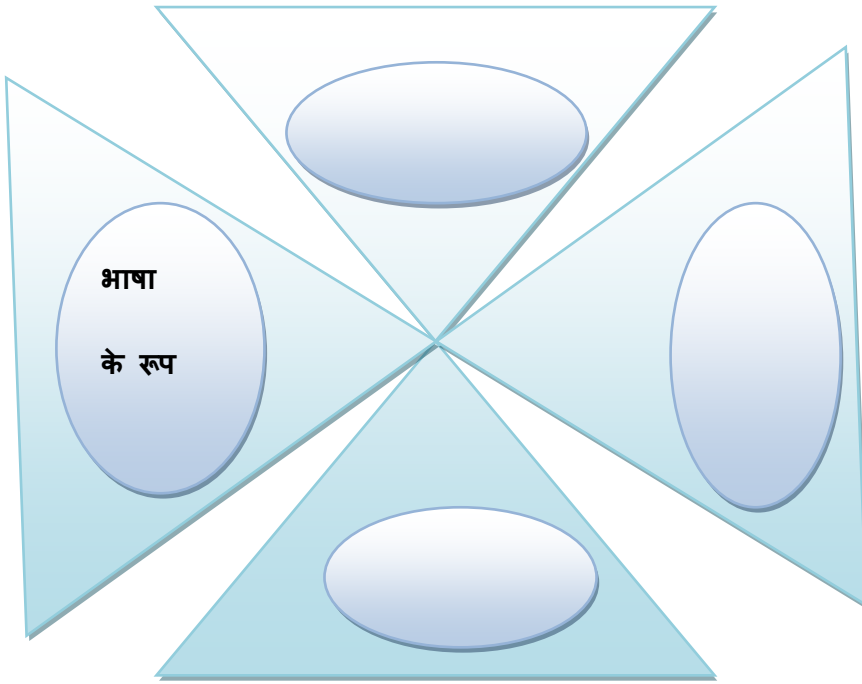
4.अभ्यास हेतु कार्यपत्र दिया जाएगा :- परिशिष्ट संख्या -9अ/4

पाठ : कबीर

गतिविधि : परिचर्चा (रेडियो शो)

विद्यार्थी का नाम :

अनुक्रमांक :



गतिविधि करते हुए अनुभव :

Three stacked orange rectangular boxes for writing the experience during the activity.

गतिविधि से सीखा :

